

HINDI SECOND ADDITIONAL LANGUAGE: PAPER I

Time: 2 hours

100 marks

PLEASE READ THE FOLLOWING INSTRUCTIONS CAREFULLY

1. This question paper consists of 9 pages. Please check that your question paper is complete.
 2. Read the instructions to each question carefully.
 3. Answer all sections.
 4. All answers must be written in the Hindi script.
 5. You may use the last 4 pages of the Answer Book for rough work. Cross out all rough work before handing in your Answer Book.
 6. It is in your own interest to write legibly and to present your work neatly.
-

भाग क

प्रश्न एक

नीचे दिए गए पाठ को ध्यान से पढ़ें और निर्धारित प्रश्नों के उत्तर دیجिए:

मोहम्मद रफी की जीवनी

मोहम्मद रफी महान पार्श्व गायकार थे।

जन्म

मुहम्मद रफी का जन्म २४ दिसंबर १९२४ को अमृतसर ज़िला, पंजाब में हुआ था। रफी ने कम उम्र से ही संगीत में रुचि दिखानी शुरू कर दी थी। बचपन में ही उनका परिवार ग्राम से लाहौर आ गया था। रफी के बड़े भाई उनके लिए प्रेरणा के प्रमुख स्रोत थे।

रफी के बड़े भाई की अमृतसर में नाई की दुकान थी और रफी बचपन में इसी दुकान पर आकर बैठते थे। उनकी दुकान पर एक फकीर रोज आकर सूफी गाने सुनाता था। जब वे ७ साल के थे तो उन्हें उस फकीर की आवाज इतनी भाने लगी कि वे दिन भर उस फकीर का पीछा कर उसके गाए गीत सुना करते थे। जब फकीर अपना गाना बंद कर खाना खाने या आराम करने चला जाता तो रफी उसकी नकल कर गाने की कोशिश किया करते थे।

वे उस फकीर के गाए गीत उसी की आवाज़ में गाने में इतने मशगूल हो जाते थे कि उनको पता ही नहीं चलता था कि उनके आसपास लोगों की भीड़ खड़ी हो गई है। कोई जब उनकी दुकान में बाल कटाने आता तो सात साल के मुहम्मद रफी से एक गाने की फरमाईश जरूर करता।

मुहम्मद रफी ने बेगम विकलिस से विवाह किया था, और उनकी सात संतानें हुईं, जिनमें चार बेटे तथा तीन बेटियाँ हैं।

करियर

उन्होंने १३ साल की उम्र में लाहौर में अपनी पहली प्रस्तुति दी जो उनके जीवन में महत्त्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। श्रोताओं में प्रसिद्ध संगीतकार श्याम सुन्दर भी थे, जिन्होंने रफी की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें फिल्मों में गाने के लिए बंबई (वर्तमान मुंबई) बुलाया।

मोहम्मद रफी ने अपना पहला गाना पंजाबी फिल्म 'गुल बलोच' के लिए गाया। १९४५ में फिल्म गाँव की गौरी से बॉलीवुड में पदार्पण किया। इसके बाद उन्होंने 'समाज को बदल डालो' (१९४७) और 'जुगनू' (१९४७) जैसी फिल्मों के लिए गाए। संगीतकार नौशाद ने होनहार गायक की क्षमता को पहचाना और फिल्म 'अनमोल घड़ी' (१९४६) में रफी से पहली बार एकल गाना 'तेरा खिलौना टूटा बालक' और फिर फिल्म 'दिल्ली' (१९४९) में 'इस दुनिया में आए दिलवालों' गाना गवाया, जो बहुत सफल सिद्ध हुए।

इसके बाद के वर्षों में रफ़ी की माँग बेहद बढ़ गई। वह तत्कालीन शीर्ष सितारों की सुनहारी आवाज़ थे। उनका महानतम गुण पर्दे पर उनके गाने पर होंठ हिलाने वाले अभिनेता के व्यक्तित्व के अनुरूप अपनी आवाज़ को ढालने की क्षमता थी। इस प्रकार 'लीडर' (१९६४) में 'तेरे हुस्न की क्या तारीफ़ करूँ' गाते समय वह रुमानी दिलीप कुमार थे, 'प्यासा' (१९५७) में 'ये दुनिया अगर मिल भी जाए, तो क्या है' जैसे गानों में गुरुदत्त की आत्मा थे, फिल्म 'जंगली' (१९६१) में 'या हूँ' गाते हुए अदम्य शम्मी कपूर थे और यहाँ तक कि 'प्यासा' में तेल मालिश की पेशकश करने वाले शरारती जॉनी वॉकर भी थे।

हिन्दी फ़िल्म के प्रमुख समकालीन पार्श्व गायकों के साथ उनके युगल गीत भी उतने ही यादगार और लोकप्रिय हैं। रफ़ी की शानदार गायकी ने कई गीतों को अमर बना दिया, जिनमें विभिन्न मनोभावों और शैलियों की झलक है। उनके गीतों के खज़ाने में फ़िल्म 'कोहिनूर' (१९७०) का 'मधुबन में राधिका नाचे रे' और 'बैजू बावरा' (१९५२) का 'ओ दुनिया के रखवाले' जैसे शास्त्रीय गीत; फ़िल्म 'आसपास' के लिए 'तू कहीं आसपास है ऐ दोस्त' गाया था।

पुरस्कार और सम्मान

- भारत सरकार ने रफ़ी को १९६५ में पद्मश्री से सम्मानित किया था।
- इसके अलावा वे छह फिल्मफेयर और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हुए।
- आवाज़ की दुनिया के बेताज बादशाह मोहम्मद रफ़ी का २४ दिसम्बर, २०१७ को ९३वें जन्मदिन के मौके पर गूगल ने अपना खास डूडल बनाकर उन्हें समर्पित किया था। हिन्दी सिनेमा के बेहतरीन गायक मोहम्मद रफ़ी के लिये ये डूडल मुंबई में रहने वाले इलेस्ट्रियूटर साजिद शेख ने बनाया था। इस डूडल में मोहम्मद रफ़ी साहब को स्टूडियो में किसी गाने की रिकॉर्डिंग करते दिखाया गया है, जबकि दूसरी तरफ़ पर्दे पर उसे अभिनेत्री तथा अभिनेता दोहरा रहे हैं।
- मृत्यु
- मोहम्मद रफ़ी की ३१ जुलाई १९८० को उनकी मृत्यु हो गई।

[<<https://jivanihindi.com/mohammad-rafi-biography-hindi/>>]

- १.१ मोहम्मद रफी कौन था ? (१)
- १.२ वह कब और कहाँ पैदा हुआ था ? (२)
- १.३ सही उत्तर चुन कर लिखिए ।
मोहम्मद रफी ने (अपना भाई । फकीर) से गाना सीखा । (१)
- १.४ कौन मोहम्मद रफी की प्रेरणा थे ? (२)
- १.५ हमें बताए कि मोहम्मद रफी कैसे बचपन में अपने गाना शुरू किया (३)
- १.६ उसकी पत्नी का नाम क्या था ? (१)
- १.७ सही उत्तर चुन कर लिखिए ।
मोहम्मद रफी को कितने संतान थे
अ). ३
आ). ७
इ). ४
ई). ८ (१)
- १.८ उन्होंने अपना पहला गाना किस फिल्म में गाया था ? (२)
- १.९ १९७० की फिल्म " कोहिनूर " के दो गाने के नाम बताएँ । (२)
- १.१० मोहम्मद रफी की पुरस्कार और सम्मान को बताइये । (३)
- १.११ " मोहम्मद रफी एक जीवित किंवदंती है "
अपने शब्दों में समझाइये । (२)

[२०]

प्रश्न दो

निम्नलिखित सवालों के जवाब दिजिए:

२.१ कोष्ठक में से उचित उत्तर चुनकर लिखिए:

२.१.१ पितजी कलम ----- लिखता हैं । (में , से , के) (१)

२.१.२ बच्चे पाठशाला ----- हैं । (पर , से , में) (१)

२.१.३ रीटा ----- भाई बिमार है । (की , का , के) (१)

२.१.४ मिहि ----- काली कलम टूट गई । (में , पर , की) (१)

२.२ ईन शब्दों की स्त्रिलिंग शब्द लिखिए ।

२.२.१ दूल्हा (२)

२.२.२ राजकुमार (२)

२.२.३ बालक (२)

२.३ नीचे लिखे वाक्यों को क्रम से लिखिए ।

२.३.१ पिताजी को प्रणाम हैं हम करते । (२)

२.३.२ है धनुष राजकुमार उठाता । (२)

२.४ इन शब्दों को बहुवचन में लिखिए ।

२.४.१ आदमी (२)

२.४.२ माला (२)

२.४.३ रानी (२)

२.५ वाक्यों का सही काल लिखिए । कोष्ठक में से उत्तर चुनिये ।
(भूतकाल, वर्तमान काल , भविष्यत काल)

२.५.१ कल बुधवार था (२)

२.५.२ विभा किताब पढ़ती है । (२)

२.५.३ नौकरानी कपड़े धोएगी । (२)

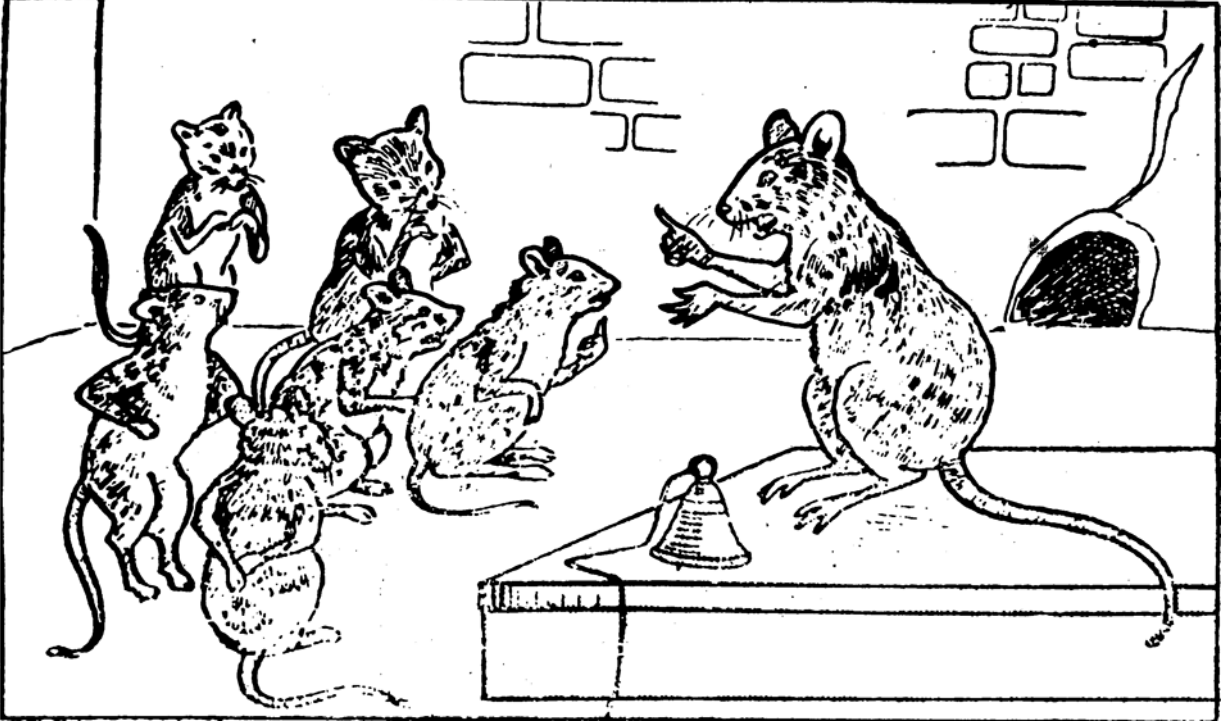
२.६ शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए ।

२.६.१ जिसके माता-पिता न हों । (२)

२.६.२ जिसकी उपमा न हो सके । (२)

२.७ चित्र वर्णन

निम्नलिखित चित्र को देखकर प्रश्नों का उत्तर दीजिए



[Adapted भगत सिंह, हिन्दी रचना भाग ४]

- १.७.१ चित्र में कितने चुहे हैं ? (१)
- १.७.२ चुहे के पास क्या रखा है ? (१)
- १.७.३ दीवार में क्या है ? (२)
- २.७.४ चुहे ने सभा क्यों बुलाया ? (२)
- २.७.५ चुहे ने क्या तय किया ? (२)
- २.७.६ चुहे बिल्ली से क्यों दुखी हैं ? (२)

[४०]

भाग ख

साहित्य

प्रश्न ३ : कविता

३.१ चित्रकार और चित्र

३.१.१ चित्रकार के अलावा और किस किस चीज़ के जोश उड़ गए ? (२)

३.१.२ शेर ने चित्रकार को "कायर डरपोक" क्यों बुलाया ? (२)

३.२ बापू के प्रति

इन श्लोकों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

जो तेरे निर्मल मनमे था, वही बुद्धि में वाणी में,
बुद्धि और वाणी में था जो, वही किया कल्याणी में । (४)

३.३ हमारा प्यारा भारतवर्ष

इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

सुना है दधीचि का देह त्यागे , हमारी जातीयता विकास ।
पुरन्दर ने पवि से है लिखा , अस्थि-युग का मेरे इतिहास । (४)

३.४ राम जनम

इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।

माता पुनी बोली सो मति डोली तजहु तात यह रूपा ।
कीजै सिसुलीला अति प्रियसीला यह सुख परम अनूपा ॥
सुनी बचन सुजाना रोदन ठाना होइ बालक सुरभूपा ।
यह चरित जे गावहिं हरिपद पावहिं ते न परहिं भवकूपा ॥ (५)

[१७]

प्रश्न ४ : कहानी**४.१ इच्छा शक्ति**

४.१.१ किसके दरबार में धीरजसिंह ने काम किया ? (२)

४.१.२ धीरजसिंह के चरित्र उसके काम के बारे में वर्णन कीजिए । (२)

४.१.३ इन पंक्तियों को अपनी शब्दों में समझाईए ।
"जी भरकर खाड़ेगा" (२)

४.२ शिवाजी

४.२.१ शिवाजी की माँ का नाम क्या है ? (२)

४.२.२ जब शिवाजी को समय मिला तो उसने क्या किया ? (२)

४.२.३ शिवाजी का मन पढ़ने में नहीं था । अपने शब्दों में समझाइये । (४)

४.३ अर्गल की वीर रानी

४.३.१ अर्गल का राजा कौन थे ? (२)

४.३.२ रानी गंगा पर क्यों गई ? (२)

४.३.३ रानी ने सूबेदार को क्या किया ? (३)

४.३.४ राजकुमारी का विवाह किसके साथ हुआ ? (२)

[२३]

कुल अंक : [१००]